दैनिक भास्कर छिन्दवाड़ा
10 AUG 2017

अपने हक के लिए पढ़ना और लड़ना होगा

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजन में आदिवासियों ने दिखाई एकजुटता

भास्कर न्यूज़ | छिंदवाड़ा

आदिवासी समाज के वीर योद्धाओं ने अपने पराक्रम से इतिहास में अपनी छाप छोड़ी है पर देश का आदिवासी आज भी गरीब व शोषित हो रहा है। समाज को जागृत करने शिक्षित होना पड़ेगा तथा अपने हक को प्राप्त करने एकजुटता से लड़ाई लड़नी होगी। उक्ताशय के उद्‌गार रानी दुर्गावती चौक खजरी रोड पर विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री अनुसुईया उइके ने व्यक्त किए। सुश्री उइके ने आदिवासियों के लिए आयोग के माध्यम से मिलने वाले लाभ को भी बताया। वहीं आदिवासी सम्मेलन में समाज के अधिकारों को लेकर जनजागृति लाने हेतु विशेष जोर दिया गया।

आदिवासी महापंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, गोंड समाज महासभा,आदिवासी विकास समिति ,आदिवासी युवा प्रकोष्ठ , आदिवासी प्रकोष्ठ, वीरांगना रानी दुर्गावती विकास उत्थान समिति का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम आयोजन में उपस्थित सुश्री अनुसुइया उइके, श्रीमती कांता ठाकुर, श्रीमती उर्मिला भारती, पीआर चंदेलकर, रामदास उइके, रामराव उइके, नेपालशाह उइके, अगनशाह उइके,महेश सराठी,जगन्नाथ उइके आदि ने संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम में विजय कुशरे, दशरथ उइके, जितेन्द्र शाह, नवरेती, सिवी उइके, हेमकरण तिरगाम, अशोक उइके, एलडी मर्सकोले, एसआर कवरेती, केएस मसराम, केवलराम परतेती, धनराज इनवाती, किसनलाल उइके, बीएल उईके, सुरेश उइके, आत्माराम कुमरे, टीएस बरकड़े, शिवकुमार सिरसाम, बीएलभलावी, प्रहलाद मर्सकोले, शिवकुमार मरकाम, लालसिंह भलावी, आरएल सहारे, टीएस परानी, श्रीमती गीता भलावी, श्रीमती संजू उईके, सरला सल्लामे, श्रीमती संगीता परतेती, अमन उइके, गोल्डी परतेती सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

आदिवासी विकास समिति ने किया आयोजन

विश्व आदिवासी दिवस पर पवार मंगल भवन चंदनगांव में आदिजन विकास महासंघ के सदस्यों द्वारा विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भवानी सिंह वाडिवा ने आदिवासियों के लिए अपनी बात रखी।

पौधरोपण कर किया बड़ादेव का पूजन

आदिवासी दिवस पर डिमरढाना स्थित बड़ादेव स्थल पर अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया गया। वहीं खजरी चौक पर बड़ादेव का विधि-विधान से पूजन कर आरती की गई। कार्यक्रम में सभी ने वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

आदिवासी मोर्चा ने निकाली रैली

भाजपा आदिवासी युवा मोर्चा द्वारा जगन्नाथ स्कूल से खजरी चौक तक रैली निकाली गई। यहां मुख्य कार्यक्रम में सभी शामिल हुए। जिसमें मोर्चा अध्यक्ष सतीश परतेती, महामंत्री आकाश धुर्वे, विकास पंद्राम, सुशील उईके, हीरालाल, नीलेश एवं राजनेश उईके मौजूद रहे।

दैनिक नवभारत छिन्दवाडा

10 AUG 2017

विश्व आदिवासी दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया

आदिवासी समाज ने दिखाई एकजुटता

छिन्दवाड़ा, 9अगस्त. विश्व आदिवासी दिवस पर रानी दुर्गावती चौक खजरी में समाज ने अपनी एकजुटता दिखाई.

अतिथि अनुसुईया उइके, अनुसूचित जनजाति की उपाध्यक्ष थी. कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती कांता ठाकुर एवं आयोजन समिति के समस्त सदस्यों द्वारा बड़ा देव स्थल वृक्षारोपण किया गया. रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. इस अवसर पर सुश्री उइके ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर ध्यानाकर्षण किया और इसके मनाने का महत्व बताया तथा उन्होनें बताया कि विश्व आदिवासी मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारे आदिवासी समाज को जाग्रत करने, शोषण अत्याचार से मुक्ति दिलाना है. समाज को जानकारी दी कि 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया गया जिसमें भारत सहित विश्व के 193 देश इसके सदस्य है। गठन के 50 वर्ष बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह महसूस किया कि विश्व के विभिन्न देशों में निवासरत आदिवासी आज भी उपेक्षित हैं और गरीबी, अशिक्षा ,स्वास्थ सुविधाओं के अभाव में बेरोजगारी एवं बंधुआ मजदूरी करने मजबूर हैं. इन ज्वलंत समस्याओं के निराकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने ध्यानाकर्षण कराने के लिये 1994 में विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को मनाने का फैसला लिया गया और तब से ही पूरे विश्व में जहाँ-जहाँ आदिवासी समाज की बाहुल्यता है विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया जाता है. हमारे आदिवासी समाज ने मुगलों एवं अंग्रेजों के समय हर युद्ध में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं. चाहे महाभारत हो या रामायण हो या अंग्रेजों से लड़ाई की बात हो. आदिवासी समाज ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं. मुगलों के समय वीरांगना रानी दुर्गावती ने एवं राजा शंकरशाह ,राजा रघुनाथ शाह ,टंटेला बील , बिरसा मुंडा ,राणा पुंजा भील , गायडिनलू , जगदोनाद गेंदसिंह तीलका माझी, नोरजी भगत , ख्वाजा नायक ,अझोरी ,सीताराम राजू जैसे आदिवासी क्रांतिकारी महापुरूषों ने आजादी की लड़ाई लड़कर समाज का नाम रोशन किया. इस अवसर पर आदिवासी बाहुल्य इलाके में पांचवी एवं छटवीं अनुसूची लागू हो आदिवासी समाज अपनी धरोहर ,अपनी पारम्परिक सामाजिक मूल्यों और अधिकारों के साथ ही विकास हो. इसके लिये भारतीय संविधान में प्रावधान किया गया हैं कि आदिवासी समाज को जल , जंगल ,जमीन विहीन होने से बचाने के लिये सी.एन.टी. तथा एस.पी.टी.एक्ट बनाया है. एक्ट अंग्रेजों को गिफ्ट नहीं बल्कि आदिवासी वीर योद्धा नायकों के संघर्ष की देन है. लेकिन सत्ता में बैठे लोग हमेशा आदिवासी समाज का शोषण करते आये हैं.अत्याचार ,शोषण आदिवासी समाज नहीं सहेगा, शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ा है आदिवासी समाज प्रशासनिक उच्च पदों पर आसीन होने लगे है समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है आज के आदिवासी सम्मेलन में आदिवासी समाज के अधिकारों को लेकर जनजागृति लाने पर विशेष जोर दिया गया.

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम खजरी चौक छिन्दवाडा

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम खजरी चौक छिन्दवाड़ा

दैनिक हरिभूमि जबलपुर
10 AUG 2017

विश्व आदिवासी दिवस पर एकजुट हुआ समाज

हरिभूमि न्यूज. छिन्दवाड़ा

विश्व आदिवासी दिवस पर रानी दुर्गावती चैक खजरी रोड़ पर 9 अगस्त 2017 को कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सुश्री अनुसुईया उइके जी, अनुसूचित जनजाति की उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमति कांता ठाकुर एवं आयोजन समिति के समस्त सदस्यों द्वारा बड़ा देव स्थल ढिमरादाना में वृक्षारोपण किया गया तत्पश्चात रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं बड़ादेव की पूजा अर्चना कर एवं आरती के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सुश्री उइके ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर ध्यानाकर्षण किया और इसके मनाने का महत्व बताया।

उन्होंने बताया कि विश्व आदिवासी मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारे आदिवासी समाज को जाग्रत करने, शोषण अत्याचार से मुक्ति दिलाने और अनुसूचित जनजाति आयोग को क्या अधिकार है, समाज को जानकारी दी कि 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया गया जिसमें भारत सहित विश्व के 193 देश इसके सदस्य है। गठन के 50 वर्ष बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह महसूस किया कि विश्व के विभिन्न देशों में निवासरत आदिवासी आज भी उपेक्षित हैं और गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ सुविधाओं के अभाव में बेरोजगारी एवं बंधुआ मजदूरी करने मजबूर हैं।कार्यक्रम आयोजन में उपस्थित सुश्री अनुसुईया उइके, श्रीमति कांता ठाकुर, श्रीमति उर्मिला भारती, पीआर चंदेलकर, रामदास उइके, रामराव उइके, नेपालशाह उइके, अगनशाह उइके, महेश सराठी, जगन्नाथ उइके, विजय कुशरे, दशरथ उइके, जितेन्द्र शाह, श्रीभान नवरेती सिवो उइके, हेमकरण तिरगाम, अशोक उइके, एलडी मर्सकोले, एसआर कवरेती, केएस मसराम, आरएल सहारे, टीएस परानी, श्रीमति गीता भलावी, श्रीमति संजू उइके, सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम खजरी चौक छिंदवाड़ा

दैनिक जागरण भोपाल

10 AUG 2017

विश्व आदिवासी दिवस पर एकजुट हुआ आदिवासी समाज

छिंदवाड़ा। विश्व आदिवासी दिवस पर रानी दुर्गावती चौक खजरी रोड पर बुधवार को कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सुश्री अनुसुईया उइके, अनुसूचित जनजाति की उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमति कांता ठाकुर एवं आयोजन समिति के समस्त सदस्यों द्वारा बड़ा देव स्थल डिमराझना में वृक्षारोपण किया गया। रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं बड़ादेव की पूजा अर्चना कर एवं आरती के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर सुश्री उइके ने बताया कि विश्व आदिवासी मनाने का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज को जागृत करने, शोषण अत्याचार से मुक्ति दिलाने और अनुसूचित जनजाति आयोग को क्या अधिकार है, समाज को जानकारी दी कि 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया गया जिसमें भारत सहित विश्व के 193 देश इसके सदस्य है। गठन के 50 वर्ष बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह महसूस किया कि विश्व के विभिन्न देशों में निवासरत आदिवासी आज भी उपेक्षित हैं और गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में बेरोजगारी एवं बंधुआ मजदूरी करने मजबूर हैं। इन ज्वलंत समस्याओं के निराकरण हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ ने ध्यानाकर्षण कराने के लिए 1994 में विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को मनाने का फैसला लिया गया। मुगलों के समय वीरांगना रानी दुर्गावती ने एवं राजा शंकरशाह, राजा रघुनाथ शाह, टंटेला भील, बिरसा मुंडा, राणा पुंजा भील, गायडिनलु, जगदोनाद गेंदसिंह तीलका माझी, नोरजी भगत, ख्वाजा नायक, अल्लोरी, सीताराम राजू जैसे आदिवासी क्रांतिकारी महापुरूषों ने आजादी की लड़ाई लड़कर समाज का नाम रोशन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन आदिवासी महापंचायत के संयुक्त तत्वाधान में जो कि पूरी तरह से गैर राजनैतिक था को सफल बनाने में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, गोंड समाज महासभा, आदिवासी विकास समिति, आदिवासी युवा प्रकोष्ठ, आदिवासी प्रकोष्ठ, वीरांगना रानी दुर्गावती विकास उत्थान समिति का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम आयोजन में उपस्थित सुश्री अनुसुईया उइके, श्रीमति कांता ठाकुर, श्रीमति उर्मिला भारती, पीआर चंदेलकर, रामदास उइके, रामराव उइके, नेपालशाह उइके, अगनशाह उइके, महेश सराठे, जगन्नाथ उइके ,विजय कुशरे, दशरथ उइके, जितेन्द्र शाह सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूष उपस्थित रहे।

जब भी जरुरत हो मुझे फ़ोन करें, ताकि मैं आपकी मदद कर सकूँ : अनुसुईया

कार्यालय डेस्क

सिवनी, 10 अग. संयुक्त आदिवासी संगठनों के तत्वाधान में बुधवार 09 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया. जिले में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आदिवासी समाजनों का एक स्थान में जमघट हुआ.

कार्यक्रम का शुभारंभ अपने ईष्ट देव बड़ा देव की पूजा अर्चना के बाद शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पण कर किया गया. तत्पश्चात प्रस्तावना 09 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर पढ़ी गई और अतिथियों के अभिभाषण प्रारंभ किये गए. प्रथम वक्ता के रूप में श्री महादेव टेकाम ने सारगर्भित बातों को रखा. श्रीमती शोभारानी ठाकुर ने महिलाओं के अधिकारों एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के दौरान श्री अशोक सिरसाम एवं श्री अशोक टेकाम ने इस दिन के महत्व को समझाया. श्री बिसन सिंह परतेती ने भी सभा को सम्बोधित कर समां बांधा. श्री चित्तौड़ कुसराम, श्री रामेश्वर तुमराम, श्री संत कुमार मर्सकोले, महत लाल मड़ावी ने भी सभा को सम्बोधित किया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओमकार सिंह ठाकुर ने संगठन की बारीकियों को सबके सामने रखा. श्री श्याम कुम्रे उप सचिव ने भी सभी को एक जुटता का पाठ पढ़ाया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री अनुसुइया उइके उपाध्यक्ष अनु. जनजाति आयोग भारत सरकार ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में आयोग में महिलाओं एवं जनजाति वर्ग के समाज को शासन से क्या-क्या लाभ का प्रावधान है विस्तार पूर्वक रखा. आपके अभिभाषण पर अनेको बार तालियों की करतल ध्वनि से स्वागत किया गया. आपने उपस्थित लोगों से वायदा किया कि मेरी जब भी जरूरत हो मुझे फ़ोन जरूर करें. ताकि मैं आपकी मदद कर सकूँ का संकल्प दिया.

कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री रहेश परते द्वारा किया गया. कार्यक्रम में रानी दुर्गावती की झांकी, गेड़ी एवं सैला नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रही. शाम 04 बजे रैली बाहुबली एवं राशि लॉन से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण किया तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया इस दिन पूरे मध्य प्रदेश में अवकाश हो एवं आदिवासी शब्द को संवैधानिक मान्यता प्रदान करे.

सभी आदिवासी संगठनों ने नगर प्रशासन, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का इस कार्यक्रम में सहयोग हेतु आभार माना. कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री एसएल बाड़िवा, घनश्याम मार्को, दशरथ कुम्रे, रहेश परते, केवल परते, बीएस नरेती की मुख्य भूमिका रही.

स्वत्वाधिकारी, प्रधान संपादक, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती मंजू कौशल द्वारा बैनगंगा प्रकाशन से मुद्रित कर देवाशीष भवन, काली चौक सिवनी (म.प्र.) से प्रकाशित.
पंजीयन क्र. RN 35151/79/ डाक पंजीयन क्र. बी.एल.जी.डी.ओ.-12/2015-17 फोन- संपादकीय-220534, 220878, विज्ञापन -220878, E_mail address

आदिवासी सेवा मंडल सिवनी के कार्यक्रम का समाचार का समाचार